गंगा एक्सप्रेस वे पर सफर को आरामदेह बनाएगी एआई

- एक्सप्रेस-वे के निर्माण के दौरान इस तकनीक का होगा इस्तेमाल
- लेजर प्रोफाइलो मीटर और एनएसवी तकनीक से होता था आकलन

लखनऊ,विशेष संवाददाता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जरिए गंगा एक्सप्रेसवे पर आरामदेह सफर का आकलन होगा। यूरोप की तर्ज पर अब उत्तर प्रदेश में भी एक्सप्रेस-वे की राइडिंग क्वालिटी और कंफर्ट मापने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रयोग होगा।

योगी सरकार जल्द ही प्रदेश के एक्सप्रेस-वे के लिए इस तकनीक को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए यूपीडा के अधिकारियों के एक दल ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख स्थित ईटीएच विश्वविद्यालय का दौरा करके इस तकनीक को परखा है।

वाहनों की सुरक्षा और सहूलियत की दिशा में बड़ी पहल: आधुनिक तकनीक पर आधारित इस एआई प्रणाली को एक्सप्रेस-वे पर सफर करने वाले वाहनों की सुरक्षा और सहूलियत की दिशा में बड़ी पहल माना जा रहा है।

क्योंकि, अबतक हाईवे और एक्सप्रेस-वे की राइडिंग क्वालिटी और कंफर्ट का आंकलन लेजर प्रोफाइलो मीटर और नेटवर्क सर्वे व्हीकल (एनएसवी) जैसी परंपरागत तकनीक के आधार पर किया जाता रहा है।